SA – 501

26

IV Semester B.A. Examination, April/May 2015
(Fresher) (Semester Scheme) (2014-15 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – IV
Khand Kavya, Lekhak Parichay and Translation

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक शब्द** या **वाक्य** में लिखिए : **(10×1=10)**

1) सीता की पलकों पर कौन आ बैठता है ?
2) युगों से पड़ा निर्जीव-निष्क्रिय शिव-धनुष क्या हो गया था ?
3) निमी किसका पुत्र था ?
4) सीता के पिता का नाम क्या है ?
5) धनुष के टूटने पर किसकी जय जयकार हुई ?
6) कवि के अनुसार खाद, पानी, बीज के अतिरिक्त कृषि का चौथा आधार क्या है ?
7) इन्द्र के महायज्ञ में ऋत्विक बनकर कौन स्वर्ग लोक गये ?
8) कृषियज्ञ के लिए तीर्थ-तीर्थ से क्या आया ?
9) भगवान शंकर ने अपना धनुष 'पिनाक' किसे प्रदान किया था ?
10) 'धनुष-भंग' खण्ड काव्य के कवि कौन हैं ?

II. किन्हीं **तीन** पद्यांशो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(3×8=24)**

1) यह धरा ही
उस नियन्ता का हमें वरदान है।
स्वर्ग या वैकुण्ठ की आराधना हम क्यों करें ?
इस धरा की धूल का प्रत्येक कण
भगवान है।

2) धरती की मिट्टी के प्रति इतना ओछापन,
भोगभूमि के प्रति इतना अन्धा आकर्षण
मेरे कुल की
और गोत्र की श्रद्धा का यह मूल्य हो गया।
मनु का बेटा दो कौड़ी ही रहा,
देव बहुमूल्य हो गया ?

P.T.O.

3) धर्मराज ! अब नहीं चाहिए मुझे देह का बन्धन,
घुला हुआ है जन-जन में मेरे प्राणों का स्पन्दन।
चाह नहीं है, रहूँ दूर मैं बादल की अलकों पर,
एक साध है, रहूँ हमेशा मानव की पलकों पर।

4) इसलिए
श्री रामचन्द्र को दे पाए वे
सागर जैसा
भरा-भरा गाम्भीर्य,
गगन का खुला-खुला औदार्य,
धरा का गीला-गीला प्यार।

5) हम निमि की निर्जीव देह का
मन्थन करके
एक नया निमि
पौदा कर लेंगे दुनिया में।
आदि कल्प में पहले भी
निर्जीव वेन को मथकर ऋषियों ने
पृथु को आकार दिया था।

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×16=32)**

1) निमि द्वारा आयोजित कृषि-यज्ञ की तैयार का वर्णन कीजिए।

2) 'धनुष-भंग' खण्ड काव्य का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3) 'शास्त्र, शस्त्र और श्रम के शाश्वत युद्ध में जीत अन्ततः श्रम की ही होती है'। कवि के इस विचार के आधार पर 'धनुष-भंग' खण्ड काव्य की समीक्षा कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×7=14)**

1) गौतम ऋषि।

2) निमि-वसिष्ठ संवाद।

3) सीरध्वज जनक।

V. किसी **एक** लेखक का परिचय दीजिए : **(1×10=10)**

1) नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र।

2) रेखाचरित्रकार महादेवीवर्मा।

3) कवि निराला।

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **10**

Three children on their way to school, said to each other "Let us go to the forest. What is the use of learning ? Animals are playing in the forest. We will play with them". Accordingly they went to the forest. There they asked the birds to play with them. The birds looked at them and said – "We have no time to play with you. We must collect food for the rainy season". Then the children asked the bees. The bees were busy collecting the honey. Then the children returned to the school much ashamed.

ಮೂವರು ಮಕ್ಕಳು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗುವಾಗ ಹೀಗೆ ಮಾತನಾಡಿಕೊಂಡರು. ''ನಾವು ಕಾಡಿಗೆ ಹೋಗೋಣ, ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಕಲಿಯುವುದರಿಂದ ಏನು ಪ್ರಯೋಜನ ? ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಣಿಗಳು ಆಡುತ್ತಿರುತ್ತವೆ. ನಾವು ಅವುಗಳೊಂದಿಗೆ ಆಡೋಣ.'' ಅದರಂತೆ ಆ ಮಕ್ಕಳು ಕಾಡಿಗೆ ಹೋದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅವರು ಹಕ್ಕಿಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಆಟವಾಡಲು ಹೇಳಿದರು. ಅವರನ್ನು ನೋಡಿ ಆ ಹಕ್ಕಿಗಳು ಹೇಳಿದವು ''ನಮಗೆ ನಿಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಆಟವಾಡಲು ಸಮಯವಿಲ್ಲ. ನಾವು ಮಳೆಗಾಲಕ್ಕೆ ಆಹಾರವನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಬೇಕಾಗಿದೆ''. ನಂತರ ಮಕ್ಕಳು ದುಂಬಿಗಳನ್ನು ಕೇಳಿದವು. ದುಂಬಿಗಳು ಮಧುವನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವುದರಲ್ಲಿ ಮಗ್ನವಾಗಿದ್ದವು. ಆಗ ಮಕ್ಕಳು ನಾಚಿಕೆಯಿಂದ ಶಾಲೆಗೆ ಹಿಂದಿರುಗಿದರು.